

१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
मनुजानां यावत् ॥ मिथं सलिलं दयावत् ॥
नयुजाश ॥ ससादवर्था कायावत् ॥ श्रीव
द्यादिवाक्यावत् ॥ सुचोर्ध्वयावत् ॥ धर्म
मालवलिद्वियक ॥ ॥ विसृज्य नयावत् ॥
वत् ॥ वदन् वदन् वदन् वदन् वदन् ॥ ॥ ध्यासान

श्रीवसुधात्राय नमः श्रीया ॥ मन्त्रध्यावलयाव ॥
 मर्मदानंशला ॥ ॐ यवस्वानसमस्मि ॐ ययत्रालः
 सुधात्रा लक्ष्मीसाधनया यशला ॥ गुलशगदनज
 नीश्वन्य यशगवाविय ॥ गुलमगुलयावक लाक
 थना सुमिस्रधनयाय ॥ ॐ वक्ररुमंमदनीवकी
 थाय ॥ ॥ सर्वदाजगनागोर्न सर्वदाजगनालयस

वैधर्म्यं गने वासा, असमं लुलमूर्कम् ॥ सान्धर्म्यं
सायमलुलमूर्कम् ॥ सर्वलक्षणसम्पूर्णं सदील
म् ॥ सर्वसखमलाचिके, धनयुक्तं किनीमौलं स
सिंधुम् ॥ ॐ श्रीकलधनकलि, धानकलिर्
खड्गं, कण्डयुसन्नशयमाव ॥ ॥ धर्मयत्नमग्न
लाकसमर्कदूषि, दूषिकखंडाव ॥ लाकसम

गर्भं रुग्णं, लानव्यावीध्वक, समन्तरदकायाय
कीगवर्जिनी, समन्तरदवावाय, सायमलुलमूर्कः
मन्तरदयर्कय, धायमलुलमूर्कम् ॥ ॥ मलुलः
गच्छश्च स्वाहा ॥ ॥ धर्म, धर्मनीन, धुलीधर्म्या १
लिथीवसुधावाधवीन ॥ मर्कमलुलस, काय्यावः
रुद्धवावनयाययागान, श्रीवदध्व, गथागगनञ्ज

१

दसविन्, शास्त्रिमानय, कृष्णधायया, ऊँस
लस, काशासी, विद्यादायवस ॥ मलयमलुल
सुधावाधवी, दयायासी, विद्यागाखी ॥ मलयम
र्कदवी, रक्ते शक्ति, धर्मो, सवार्गनायाग, डाक्री
याक, धर्मो, ज्ञाना, यालेयाल, पूजा, रुलविद्या
कुधावसा, यवमग्न, कृष्णजीवन, धर्मः

येयुशावाजायासनाड, श्रीवसुधावान ॥ मलयमलु
स, लाकसमर्क, दूषि, दूषि, शवखंडाव ॥ श्रीव
लुलस, लाकडुद्धावनयाय, विन्नुनयाव ॥ ग्वर्क, ग्वः
डाक्री, दवी, कयर्न, विद्यादाव, ग्वर्क, ग्वर्क, रक्तिजन
गाखी ॥ सरुलसम्पत्ति, विययागा, विन्नुलर्ल ॥ गर्भ
शर् ॥ कृष्ण, श्रीवसुधावाधवीशर् ॥ कृष्ण, श्रीकामावी

इरी ॥ छकी मारुलकी इरी ॥ थसुकी खगाखगा
वयाव ॥ ॥ धनी गाजानी मनीनी सिनासः
व सुचियविर्गु या काव सस्नानया काव ध
वानी वूठदवी छकी नरुकी वुर्गु सुग सात्र
वस निम्ववनस मिगिठगया निम्वदवीर्य
दिनस खागिनीन रुआकाव वाजदाल

विसखन रकी जणयाक थायथायसविशाय चिन
दिगन गलछिवा च्याकीवा गनमलुलखाका
मोनीन वुर्गु सुगधनवपल ॥ सुयोपशो वाजार्
कायकी कायव सावनकागिनकी छीर ॥ थव २
गी कीन छरुधाल जावियावगया थककूया
स ज्मालसर्थसायाव थानकास्य धर्मयावर्क

सुगकानव नयाक रुकाव वा कावलस ॥ थः
कावकाया वुर्गु सुगका जाकाव निम्ववनलिह
वीस्र वाजस धर्मधाल कामधव ॥ नानाखान
सुगकावा कावरुया अनजाकावया धालकाव
यायइला अदूखीली यवमधली गीवसुधाव
स्नानया काव निम्ववनस दवर्थकलहीनखा

खागिनिया वाकालस वूठदवीन सावनकागीः
वाकाव निम्वदवी छे यिनाययार्ग ॥ शीछीमकाद
संसा गवय गाल स्वस्यवयाङ्ग वूठदवीन थवुर्गु
धनीनी म्वदवीन धाल अमावुर्गु सुगका अनधर्म
दवीन गूडीसियावक यागर्ग ॥ नीम्वदवीन सुवि
नस सोदवर्थकायाव सासखिनवा थवाव रुक

नथाकावव, यूडा, वासपाववी, काथलस, श्रीव
दूवावस, थाकाव, वागीववीया, वागिनीयनीथा
यिनाययाकान, वागिनीयनीय, कृपनीसन,
सूचला, खंकाथ, धावा, इनका, काख, अयनीखं
कं, लाली ॥ शाकि, मरुववीन, वाजदूवालस, जी
अजीश, वागी, इनका, लविवालायायधकंधावः

सूधावाववी, मायालयन, जिथियाकाव, वाजाया
काव, जिथीनधाली ॥ रुयूगायणीय, मरुववीखं
शिनकीखं, कावा, कलया, अजीववाधावा, धर्मया
कायमखाधायाव ॥ वाजसदूकावाकाव, वृठववीः
धीककान, अयनि, वाखंकीकावरुया, कलयालया
धर्मयाखंकाथधाव ॥ गथमावाइइ, धालकाव, ध

थाल ४

नं, वृठववीनधारी, अअजीमदगा, अजानीमद
काकनीधावा, यिरुमवानसा, कृपनिखं, आका
खं, धजीधियाक, कानं, रुजीधीय, वृठववीखं
खंमख, वन्यमख ॥ यिरुसं, रुणीधकंधाला ॥
धाली ॥ जीधिनधारी, अम, धली, धालसा, अवनः
ववीन, विनुयाव, वृठववीवानयावाय, मदग

भा, अमधिखं, कासं, धानमगवधावा, अवन्ध ॥ यि
व, यिच्छायमालेधावकाव ॥ धर्न, वागिनीन, धलीसन
यिनाययायधूना, अअजीमदगा, अजामदगा, अमा
कवावंगु, कृमवनसा, अयनिखनआकावकायमालः
मखाधायाव, यिरुसं, विवाकाव, धूनवालि ॥ श्रीवसूधा
काव, निमृठवीयाकना, अवननाधायाव ॥ धर्न

श्रीवसुधाबाधवीमायालूयन, जीधिलयन, नि
 न, ससायव, धकायव ॥ शुचीयवीगयाकाव
 धाबाधवी, जीधियन, निम्वधवीया, स्वामिनिन
 वा, शुधालसा, हलयालया, अजीशवनाधा
 जीधिणस्वामिनीकंदल्लाल ॥ स्वामिणीण, अ
 स्वामिनिय ॥ हलयालया, अजीशधाव, हलया

म्ववनविद्यागाल्व ॥ धन, नीम्वधवीन, दव, धं, स्वा
 यूजावीधिसाजनयाकाव, श्रीकावलस ॥ ॥ श्रीवसु
 नायानाकाव, शास्त्रीयूगाय, महाधवी, कंदवनाधा
 वा, अजीनवीचालयाय, धकावनाधावा ॥ ध्वद्व
 नमखा, धायाव, निम्वधवीस्व, यीनाययान, रुधवी
 लविचालयाय, धकाव, धालकाव, निम्वधवीन